DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

9 March, 2024

इण्डिया AI मिशन

संदर्भ: *सकल घरेलू उत्पाद का प्रथम अग्रिम अनुमान केंद्रीय बजट की प्रस्तुति से पहले प्रकट किए गए अंतिम जीडीपी आंकड़ों का प्रतिनिधित्व करता हैहाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगले पांच वर्षों के लिए 10,372 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए इण्डिया AI मिशन को मंजूरी दी। इस पहल में निजी कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए सरकार द्वारा किया जाने वाला धन का आवंटन भी शामिल है।*

➢ **इण्डिया AI मिशन के उद्देश्य:**

- इण्डिया AI मिशन का प्राथमिक उद्देश्य 10,000 से अधिक जीपीयू की कंप्यूटिंग क्षमता स्थापित करना है।
- इसके अतिरिक्त, इस मिशन का उद्देश्य 100 बिलियन से अधिक मापदंडों की क्षमता वाले मूलभूत मॉडल विकसित करना है।
- यह स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शासन जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए प्रमुख भारतीय भाषाओं को शामिल करने वाले डेटासेट पर मॉडल को प्रशिक्षित करने का भी प्रयास करता है।
- इस मिशन में 50 मंत्रालयों में AI क्यूरेशन यूनिट (एसीयू) विकसित करने की योजना शामिल है।
- इसके अलावा, इसका उद्देश्य एक सेवा और पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल के रूप में AI को संदर्भित करने वाला एक AI मार्केटप्लेस स्थापित करना है।

➢ **कार्यान्वयन रणनीति:**

- मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, इस मिशन को 50% व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।
- उन्नत जीपीयू के चयन को प्राथमिकता देते हुए डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निजी कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए एक निविदा जारी की जाएगी।
- यदि कीमतें घटती हैं तो स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए निजी संस्थाओं के पास अधिक क्षमता प्रदान करने की सुविधा होगी।
- इस कार्यान्वयन रणनीति का समर्थन करने हेतु कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के लिए 4,564 करोड़ रुपये की पर्याप्त राशि आवंटित की गई है।

➢ **डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए समर्थन:**

- सरकार डीप टेक स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, इस उद्देश्य के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए जाएंगे।
- इसके अतिरिक्त, बड़े मूलभूत मॉडलों पर ध्यान केंद्रित करने वाले इण्डिया IndiaAI इनोवेशन रिसर्च सेंटर की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपये की फंडिंग भी उपलब्ध होगी।

➢ **एआई डेटासेट प्लेटफ़ॉर्म:** इण्डिया AI मिशन के हिस्से के रूप में, उच्च-गुणवत्ता वाले गैर-व्यक्तिगत डेटासेट और पहचाने गए "उच्च-गुणवत्ता" एआई-तैयार डेटासेट का लाभ उठाने के लिए एक AI डेटासेट प्लेटफ़ॉर्म स्थापित किया जाएगा।

➢ **अन्य क्षेत्रों के साथ तुलना:**

- इण्डिया AI मिशन 1.26 लाख करोड़ रुपये की चिप परियोजनाओं को मंजूरी देता है, जिसमें देश का पहला वाणिज्यिक निर्माण संयंत्र भी शामिल है।
- यह रणनीति अन्य क्षेत्रों में पहल के साथ संरेखित होती है, जैसे कि बड़े पैमाने पर एआई मॉडल के निर्माण के लिए हार्डवेयर तक पहुंच को सक्षम करने के यूरोपीय संघ के प्रयास आदि।

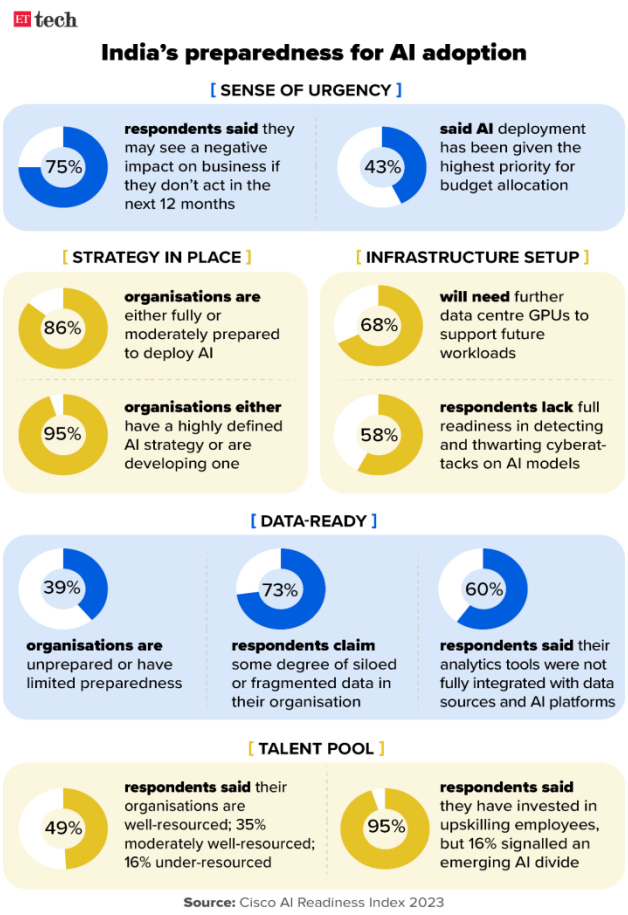

Source: Cisco AI Readiness Index 2023

खसरा और रूबेला चैंपियन पुरस्कार

सन्दर्भ: *भारत को वाशिंगटन D.C. में अमेरिकन रेड क्रॉस मुख्यालय में द मीजल्स एंड रूबेला पार्टनरशिप द्वारा खसरा एवं रूबेला चैंपियन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।*

➢ **खसरा और रूबेला साझेदारी:**

- इस साझेदारी में अमेरिकन रेड क्रॉस, बीएमजीएफ, जीएवीआई, यूएस सीडीसी, यूएनएफ, यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ सहित एक बहु-एजेंसी योजना समिति शामिल है।
- यह साझेदारी वैश्विक खसरे से होने वाली मौतों को कम करने और रूबेला बीमारी को रोकने के लिए समर्पित है।

➢ **भारत की प्रतिबद्धता:**

- सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता और बच्चों में खसरा और रूबेला के प्रसार को रोकने में इसके उत्कृष्ट नेतृत्व को रेखांकित करता है।
- देश के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के तहत नियमित टीकाकरण को सुदृढ़ करने के लिए 'ट्रेसर के रूप में खसरा' का उपयोग करके खसरा और रूबेला उन्मूलन कार्यक्रम को क्षेत्रीय नेतृत्व प्रदान करने के लिए भारत की सराहना की जा रही है।

➢ **प्रगति एवं उपलब्धियाँ:**

- विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, भारत ने व्यापक हस्तक्षेपों के माध्यम से खसरा और रूबेला के मामलों को कम करने और इसके प्रकोप को रोकने में उल्लेखनीय प्रगति का प्रदर्शन किया है।
- उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सरकार के सक्रिय एमआर टीकाकरण अभियान ने, वंचित आबादी तक पहुंचने के लिए नवीन रणनीतियों, मजबूत निगरानी प्रणालियों और प्रभावी जन-जागरूकता पहल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

➢ **प्रभाव और मान्यता:**

- यह पुरस्कार पूरे देश में अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, नीति निर्माताओं और समुदायों के समर्पण और कड़ी मेहनत का एक प्रमाण है।
- प्रयासों से 50 जिलों में लगातार खसरे का कोई मामला सामने नहीं आया है, जबकि 226 जिलों में पिछले 12 महीनों में रूबेला का कोई मामला सामने नहीं आया है।

➢ **खसरा:**

- खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो दुनिया भर में छोटे बच्चों में मृत्यु का एक बड़ा खतरा पैदा करती है।
- यह रोग पैरामाइक्सोविरिडे परिवार के जीनस मॉर्बिलीवायरस से संबंधित एकल आरएनए वायरस (विषाणु) के कारण होता है।
- यह आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को असमान रूप से प्रभावित करता है, विशेष रूप से वे जो कुपोषित हैं या जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है।
- खसरा गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है, जिसमें अंधापन, एन्सेफलाइटिस, गंभीर दस्त, कान में संक्रमण और निमोनिया इत्यादि शामिल हैं।

➢ **रूबेला:**

- इसे जर्मन खसरा के रूप में भी जाना जाता है, रूबेला एक संक्रामक वायरल संक्रमण है जिसमें आमतौर पर बच्चों और युवा वयस्कों को प्रभावित करता है।
- रूबेला वायरस [एक एकल आरएनए वायरस (विषाणु)], इस संक्रमण के लिए जिम्मेदार विषाणु है।
- गर्भवती महिलाओं में, रूबेला संक्रमण के गंभीर परिणाम हो सकते हैं जैसे मृत्यु या जन्मजात रूबेला सिंड्रोम (CRS) का विकास, जिससे अपरिवर्तनीय जन्म दोष हो सकते हैं इत्यादि।
- अन्य बातों के अलावा रूबेला में खसरे के साथ कुछ अन्य लक्षण भी मौजूद होते हैं, जैसे कि लाल चकत्ते की उपस्थिति। यह एक अलग वायरस के कारण होता है और आम तौर पर खसरे की तुलना में कम संक्रामक और गंभीर होता है।

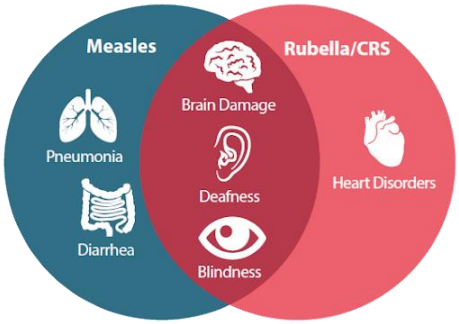

आयुष्मान भारत लाभार्थियों का परिदृश्य

संदर्भ: *वर्ष 2018 में अपनी शुरुआत के बाद से, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के वार्षिक खर्च का दो-तिहाई हिस्सा निजी अस्पतालों में हुआ है।*

➢ **आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) अवलोकन:**

- वर्ष 2018 में लॉन्च किए गए, AB-PMJAY का लक्ष्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करना और गरीबों के लिए उनकी जेब से स्वास्थ्य देखभाल खर्च को कम करना है।
- इस योजना को केंद्र और राज्यों द्वारा संयुक्त रूप से 60:40 (उत्तर-पूर्व और पहाड़ी राज्यों में 90:10) के अनुपात में वित्त पोषित किया जाता है।
- इस योजना के तहत सूचीबद्ध सभी सुविधाओं में से 58% हिस्सेदारी सरकारी अस्पतालों की है।

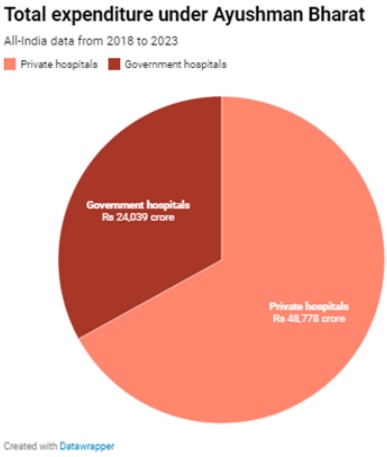

➢ **AB-PMJAY का उपयोग:**

- विगत छह वर्षों में, 2.95 करोड़ रोगियों (दिसंबर 2023 तक 54% लाभार्थियों) ने इस योजना का लाभ उठाया है।
- वर्ष 2018 से इस योजना के तहत निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को कुल व्यय का 67% प्राप्त हुआ है।

➢ **क्षेत्रीय उपयोग:**

- केवल 17% आयुष्मान कार्ड के साथ दक्षिणी राज्यों में कुल रोगियों का 53% हिस्सा रहता है।
- राजनीतिक मतभेदों के बावजूद कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल सहित पांच राज्यों में कुल लाभार्थियों का 60% भाग रहता था।

➢ **योजना विवरण:**

- AB-PMJAY 27,000 सूचीबद्ध माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार वार्षिक रूप से 5 लाख रुपये तक की पेशकश करता है।
- यह लगभग 2,000 प्रक्रियाओं को कवर करता है और कैंसर और हृदय रोगों सहित गंभीर बीमारी कवरेज प्रदान करता है।

➢ **लाभार्थी चयन:**

- सभी लाभार्थी परिवारों की पहचान 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना के आधार पर की जाती है, जिसमें 13.44 करोड़ परिवार (65 करोड़ लोग) संभावित लाभार्थी हैं।
- अब तक लगभग 32.40 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड जारी किये गये हैं।

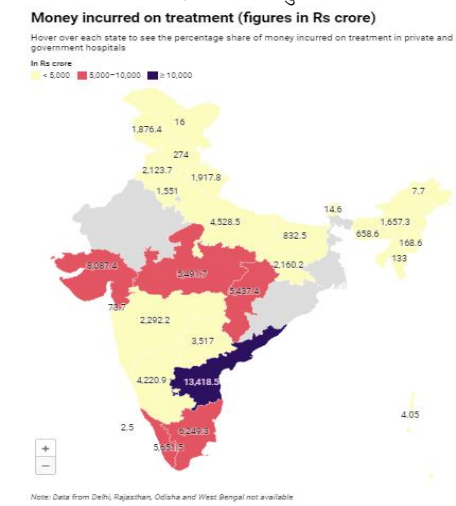

➢ **व्यय:**

- विगत पाँच वर्षों में 5.47 करोड़ रोगियों में से अधिकांश को निजी सुविधाओं से लाभ लेते देखा गया था।
- निजी सुविधाओं में उपचार पर 48,778.61 करोड़ रुपये (कुल व्यय का 66%) खर्च किए गए।
- इस व्यय का 59% हिस्सा पाँच राज्यों का था: आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।

➢ **कोविड के बाद की स्थिति:**

- मरीजों का रुझान सरकारी सुविधाओं की ओर है, लेकिन निजी सुविधाओं में खर्च अधिक रहता है।
- 2022-23 और 2023-24 में, अधिक रोगियों ने सरकारी सुविधाओं को चुना, लेकिन निजी सुविधाओं में किया जाने वाला खर्च अधिक था।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ग्रामदान

महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में गढ़चिरौली जिले के एक गांव मेंढा को महाराष्ट्र ग्रामदान अधिनियम, 1964 के तहत एक अलग ग्राम पंचायत के रूप में अधिसूचित किया है।

ग्रामदान के बारे में:

- ग्रामदान 1951 में गांधीवादी विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन का विस्तार है, जिसका लक्ष्य भूमिहीनों को भूमि का पुनर्वितरण करना है।
- यह समाज में सामूहिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए समुदायों को स्व-शासन और प्राकृतिक संसाधनों पर समान अधिकारों के लिए सशक्त बनाता है।
- ग्रामदान के तहत सम्पूर्ण गाँव अपनी भूमि को एक आम ट्रस्ट के अधीन रख देते हैं, जिससे समुदाय के बाहर इसकी बिक्री पर रोक लग जाती है।
- किसी गांव में कम से कम 75% भूमि मालिकों को ग्रामदान का दर्जा पाने के लिए समुदाय को भूमि स्वामित्व सौंपना होगा, जिसमें गांव की कम से कम 60% भूमि शामिल हो।
- महाराष्ट्र सहित भारत के सात राज्यों में कुल 3,660 ग्रामदान गाँव हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या ओडिशा (1309) में है।
- सितंबर 2022 में, असम ने भूमि अतिक्रमण के मुद्दों का मुकाबला करने के लिए अपने ग्रामदान अधिनियमों को रद्द कर दिया।
- मेंधा सामुदायिक वन अधिकार (सीएफआर) हासिल करने के लिए जाना जाता है और वन अधिकार अधिनियम, 2006 के बाद इसे प्राप्त करने वाला यह भारत का पहला गांव है।

लिक्विड फंड

हाल ही में, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों से पता चला है कि लिक्विड फंडों में प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो जनवरी से 69% बढ़कर फरवरी में ₹83,642.33 करोड़ हो गई है।

लिक्विड फंड के बारे में:

- लिक्विड फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो 91 दिनों तक की परिपक्वता अवधि के साथ ट्रेजरी बिल, वाणिज्यिक पत्र और सावधि जमा जैसे अल्पकालिक बाजार उपकरणों में निवेश करता है।
- लिक्विड फंड का प्राथमिक उद्देश्य निवेशकों को अल्पावधि में न्यूनतम जोखिम और स्थिर रिटर्न के साथ एक सुरक्षित और तरल निवेश विकल्प प्रदान करना है।
- लिक्विड फंड की विशेषता उच्च तरलता, उच्च-रेटेड ऋण उपकरणों में अल्पकालिक निवेश से उत्पन्न होने वाला कम जोखिम और ₹1 प्रति यूनिट का स्थिर शुद्ध संपत्ति मूल्य (एनएवी) है जो निवेशकों को पूंजी संरक्षण आश्वासन प्रदान करता है।
- लिक्विड फंड को म्यूचुअल फंड विनियमों के तहत भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा विनियमित किया जाता है।
- सेबी निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए निवेश उद्देश्यों, पोर्टफोलियो संरचना और जोखिम प्रबंधन के संबंध में दिशानिर्देश लागू करता है।

ग्रेट बैरियर रीफ

हाल ही में, ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने रीफ प्राधिकरण और ऑस्ट्रेलियाई समुद्री विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) द्वारा किए गए हवाई सर्वेक्षणों के माध्यम से देखे गए ग्रेट बैरियर रीफ (जीबीआर) में व्यापक कोरल ब्लीचिंग घटना की पुष्टि की है, जो संभावित कोरल मृत्यु का संकेत देती है।

ग्रेट बैरियर रीफ के बारे में:

- ग्रेट बैरियर रीफ (जीबीआर) ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के तट से दूर स्थित है और यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली है।
- यह उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा में 2,000 किलोमीटर से अधिक विस्तृत है, तट से दूरी 16 से 160 किलोमीटर तक और चौड़ाई 60 से 250 किलोमीटर तक है।
- यह अपनी समृद्ध समुद्री जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है जो हजारों प्रजातियों की मछलियों, प्रवालों और अन्य समुद्री जीवों का वास स्थल है, जिसमें डुगोंग और हरे समुद्री कछुए जैसी लुप्तप्राय प्रजातियां भी शामिल हैं।
- ग्रह पर सबसे विविध पारिस्थितिकी प्रणालियों में से एक के रूप में अपने उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के कारण इसे 1981 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।
- जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते समुद्री तापमान के चलते हाल के वर्षों में इसने कई बार कोरल ब्लीचिंग का सामना किया है।
- प्रवाल सहजीवी शैवाल को बाहर निकाल देते हैं, तब कोरल ब्लीचिंग होती है, जो लंबे समय तक चलने या गंभीर होने पर प्रवालों की मृत्यु का कारण बनती है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व
सुधा मूर्ति

सुधा मूर्ति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 8 मार्च 2024 (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर) राज्यसभा में नामित किया गया था।

सुधा मूर्ति के बारे में:

- 19 अगस्त 1950 को उत्तरी कर्नाटक के हावेरी जिले के शिगगाँव में जन्मीं सुधा मूर्ति एक भारतीय शिक्षिका, लेखिका, समाजसेवी और इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्षा हैं।

योगदान:

- इंफोसिस के सह-संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति, टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी (TELCO) में पहली महिला इंजीनियर हैं।
- उनकी उल्लेखनीय रचनाओं में "हाउ आई टॉट माई ग्रैंडमदर टू रीड" (मैंने अपनी दादी को कैसे पढ़ना सिखाया), "वाइज एंड अदरवाइज" (समझदार और अन्यथा) और "डॉलर बहू" (डॉलर की बहू) शामिल हैं।

पुरस्कार और सम्मान:

- उन्हें 2006 में पद्म श्री और 2023 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
- 2006 में उन्हें साहित्य के लिए आर.के. नारायण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- उन्हें उनके साहित्यिक योगदान के लिए राजा-लक्ष्मी पुरस्कार और साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

नैतिक मूल्य: उदारता, विनम्रता, करुणा, सहानुभूति आदि।

सुर्खियों में स्थल

मेक्सिको

हाल ही में, मेक्सिको में प्रदर्शनकारियों ने लगभग एक दशक पहले गायब हुए 43 छात्रों के लिए न्याय की मांग करते हुए एक प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति भवन का दरवाजा तोड़ दिया।

मेक्सिको (राजधानी: मेक्सिको सिटी)

अवस्थिति : मेक्सिको, आधिकारिक तौर पर संयुक्त मैक्सिकन राज्य उत्तरी अमेरिका के दक्षिणी भाग में एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: मेक्सिको अपनी भूमि सीमाएँ संयुक्त राज्य अमेरिका (उत्तर), ग्वाटेमाला और बेलीज़ (दक्षिणपूर्व) के साथ साझा करता है और समुद्री सीमाएँ प्रशांत महासागर (पश्चिम), कैरेबियन सागर (दक्षिणपूर्व) और मैक्सिको की खाड़ी (पूर्व) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- मेक्सिको का सबसे ऊँचा स्थान पिको डी ओरिज़ाबा का शिखर है, जिसे सिटलल्टेपेटल के नाम से भी जाना जाता है।
- मेक्सिको की प्रमुख नदियों में रियो ग्रांडे, उसुमासिंटा, ग्रिजाल्वा, पापलोआपन, बाल्सास और याकी शामिल हैं।
- देश में कई रेगिस्तान हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय हैं सोनोरान रेगिस्तान, चिहुआहुआन रेगिस्तान और मोजावे रेगिस्तान का मैक्सिकन हिस्सा।

राजनीतिक संरचना:

- मेक्सिको बहुदलीय प्रणाली वाला एक संघीय राष्ट्रपति गणतंत्र है।
- राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख और सरकार के प्रमुख दोनों के रूप में कार्य करता है, जिसे छह साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है।

POINTS TO PONDER

- 6 मार्च को, वाशिंगटन में अमेरिकन रेड क्रॉस मुख्यालय में, भारत को खसरा और रूबेला से निपटने के उसके अनुकरणीय प्रयासों के लिए कौन सा पुरस्कार मिला? – **खसरा और रूबेला चैंपियन पुरस्कार (यह पुरस्कार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन द्वारा प्राप्त किया गया था)**
- 92 निम्न- और मध्यम-आय वाले देशों (एलएमआईसी) की तुलना करने वाले एक अध्ययन में, उन 6-23 महीने के बच्चों के प्रचलन के मामले में भारत का रैंक क्या है, जिन्होंने 24 घंटे की अवधि में कोई भोजन नहीं किया है? – **तीसरा सबसे ऊँचा**
- 'सी डिफेंडर्स-2024' संयुक्त अभ्यास से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के तटरक्षक बल का कौन सा जहाज पोर्ट ब्लेयर पहुंचा? – **बर्थोल्फ़**
- स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम पर एक पायलट परियोजना चलाने के लिए किन विभागों ने सहयोग किया है? – **कृषि और किसान कल्याण विभाग**
- हाल ही में हाइपर, एक एआई-संचालित वीडियो निर्माण उपकरण को किसने पेश किया? – **गूगल की डीपमाइन्ड टीम के पूर्व सदस्य ने**